Regarding Maratha and Dhangar Reservation in Maharashtra

सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे **(**शोलापुर**) :** सभापति महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं ।

महोदया, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर जी ने भारत देश को संविधान दिया । उस संविधान के तहत भारत देश में पिछड़े वर्गों को आरक्षण मिला, लेकिन पिछले कई सालों से हम देख रहे हैं कि सरकार काफी सारे कंपनियों का प्राइवेटाइजेशन करके आरक्षण समाप्त करने की साजिश कर रही है । हमारे महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण एवं धनगर आरक्षण के लिए लोग सड़क पर उतरे हुए हैं । अभी वहां श्री जरांगे जी भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं । हमारे धनगर समुदाय के भाई एसटी कैटेगरी में शामिल की मांग कर रहे हैं, पर सरकार तनाव बढ़ा रही है । जब वहां केन्द्र सरकार और राज्य सरकार दोनों बीजेपी के हैं तो क्यों न नेगोसिएशन करके इस समस्या को हल कर रहे हैं? वे क्यों इतना वक्त लगा रहे हैं? महाराष्ट्र में बार-बार तनाव बढ़ रहा है । मेरी मांग है कि सरकार जल्द से जल्द मराठा आरक्षण और धनगर आरक्षण के ऊपर बात करे और समस्या को हल करे ।

हमारे लीडर ऑफ अपोजिशन राहुल गांधी जी हमेशा कहते आए हैं कि कास्ट सेंसस होनी चाहिए । महिला आरक्षण बिल पास किया गया है लेकिन अभी तक कास्ट सेंसस नहीं हुई है । जब तक कास्ट सेंसस नहीं होती है, तब तक हमारे भाइयों और बहनों को आरक्षण मिलने वाला नहीं है ।

मैं सरकार से यही गुजारिश करती हूं कि कास्ट सेंसस जल्द से जल्द हो जाए । उनको मराठा-धनगर आरक्षण मिल जाए । हमारी महिलाओं को भी आरक्षण मिल जाए । धन्यवाद ।